बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यशायाह, भविष्य देखनहारा

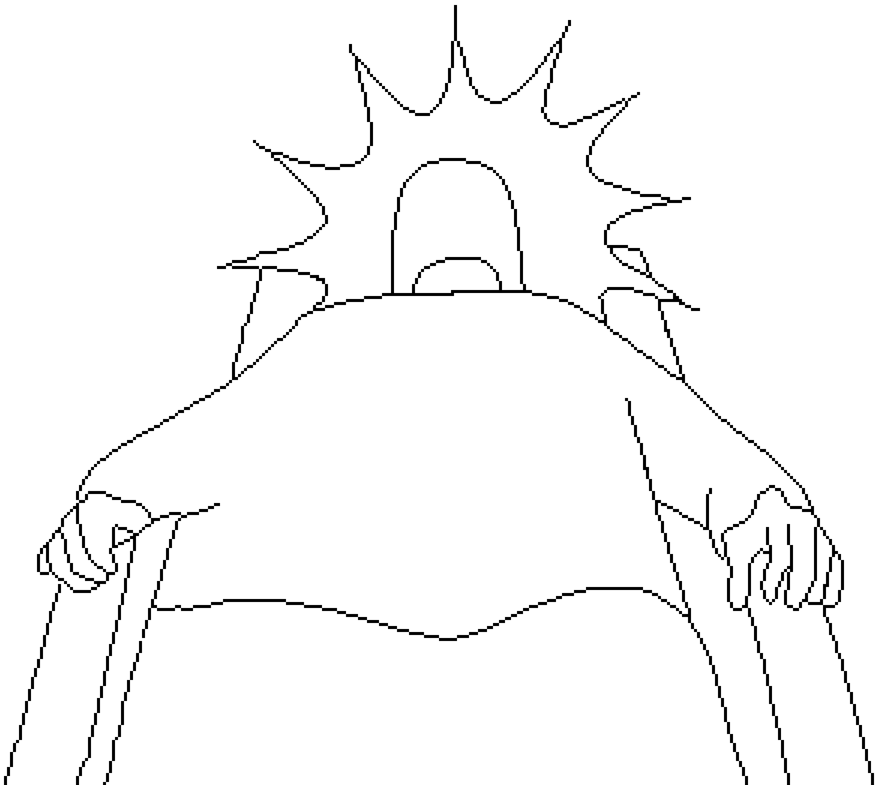

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Jonathan Hay
रूपान्तरकार: Mary-Anne S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यशायाह एक भविष्यद्वक्ता था। उसका काम परमेश्वर की बातों को लोगों तक पहुँचाना था।

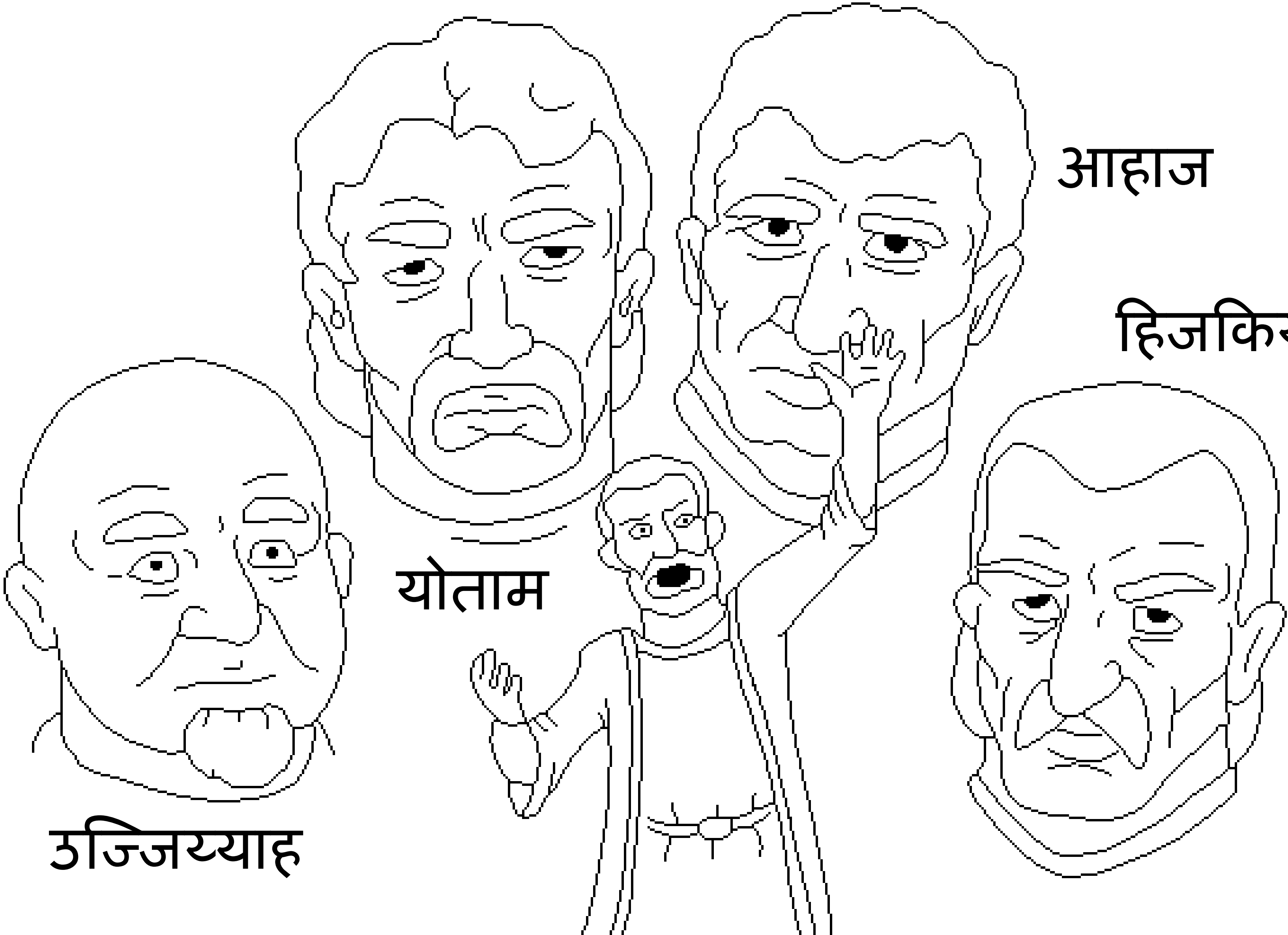

लोग हमेशा परमेश्वर के संदेशों को सुनना नहीं चाहते थे, लेकिन यशायाह कभी भी प्रभु को नीचा नहीं किया। यशायाह चार विभिन्न राजाओं के राज काल के दौरान प्रचार किया।

राजा उज्जियाह यरूशलेम के शहर से यहूदा देश पर शासन किया। शुरू में परमेश्वर ने उज्जिय्याह को बहुत आशीषित किया, क्योकि उज्जिय्याह ने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था। लेकिन बाद में उज्जिय्याह घमण्डी बन गया और परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना छोड़ दिया। वह एक कोढ़ी हो गया और उसे मरने तक अकेले रहना पड़ा।

राजा उज्जियाह 60 वर्षों से अधिक समय तक राज किया। जब वह मर गया, तब उसका पुत्र योताम उसके स्थान पर राजा बना और सत्रह साल तक राज करता रहा। परमेश्वर ने योताम को आशीषित किया, क्योंकि वह यहोवा की चेतावनियों को सुना जो यशायाह और अन्य भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से परमेश्वर उसे बताता था।

राजा योताम का पुत्र आहाज था। जब आहाज बीस वर्ष का था, वह राज करने लगा और यरूशलेम में सोलह वर्ष तक राज करता रहा। आहाज परमेश्वर की कोई परवाह नहीं किया। उसने मूर्तियों और झूठे देवताओं की पूजा की, और ऐसा ही करने के लिए परमेश्वर के अनेको लोगों का नेतृत्व भी किया। यशायाह ने उसे चेतावनी दी, परन्तु आहाज परमेश्वर की चेतावनी को नही सुना। केवल 35 साल की उम्र में ही, वह मर गया।

परमेश्वर ने अगले राजा हिजकिय्याह को बहुत आशीषित किया, क्योंकि उसने सभी मूर्तियों और झूठे देवताओं को हटा दिया, और सच्चे ईश्वर से प्रार्थना की। जब एक दुश्मन सेना ने यहूदा पर हमला किया, तब हिजकिय्याह जनता था की उस की सेना जीतने के लिए बहुत ही कमजोर थी। उसने यशायाह से निवेदन किया कि वह परमेश्वर की मदद के लिए प्रार्थना करे।

यशायाह ने राजा को यह संदेश कहला भेजा "यहोवा यों कहता है: तू इस दुश्मन से मत डर ... मैं उसे हराने के लिए मजबूर करूँगा ..." इसके तुरंत बाद, परमेश्वर ने ऐसा किया की दुश्मन सेना हिजकिय्याह से लड़े बिना ही छोड़कर भाग गये।

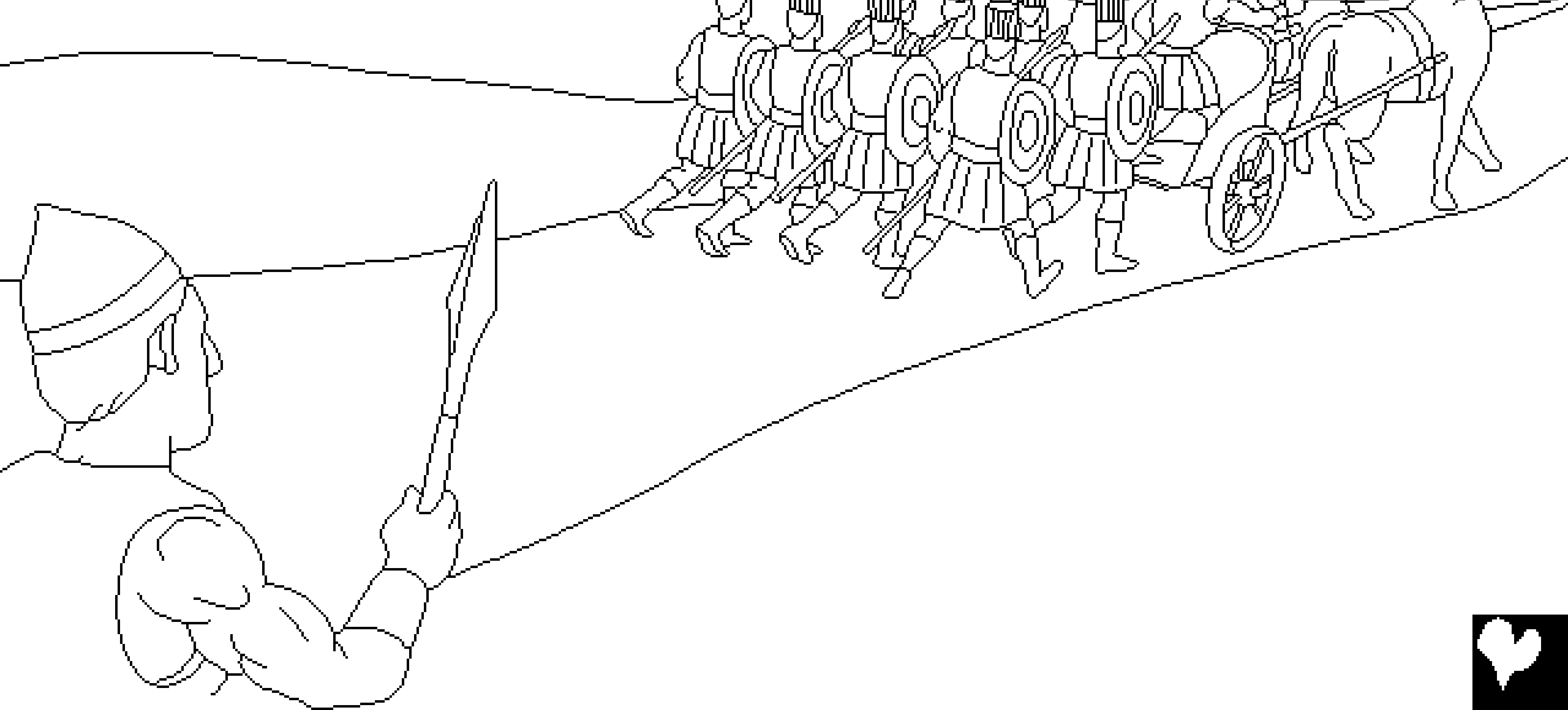

जबकि उसके आसपास के लोगों ने परमेश्वर के बारे में कुछ ज्यादा नहीं सोचा,

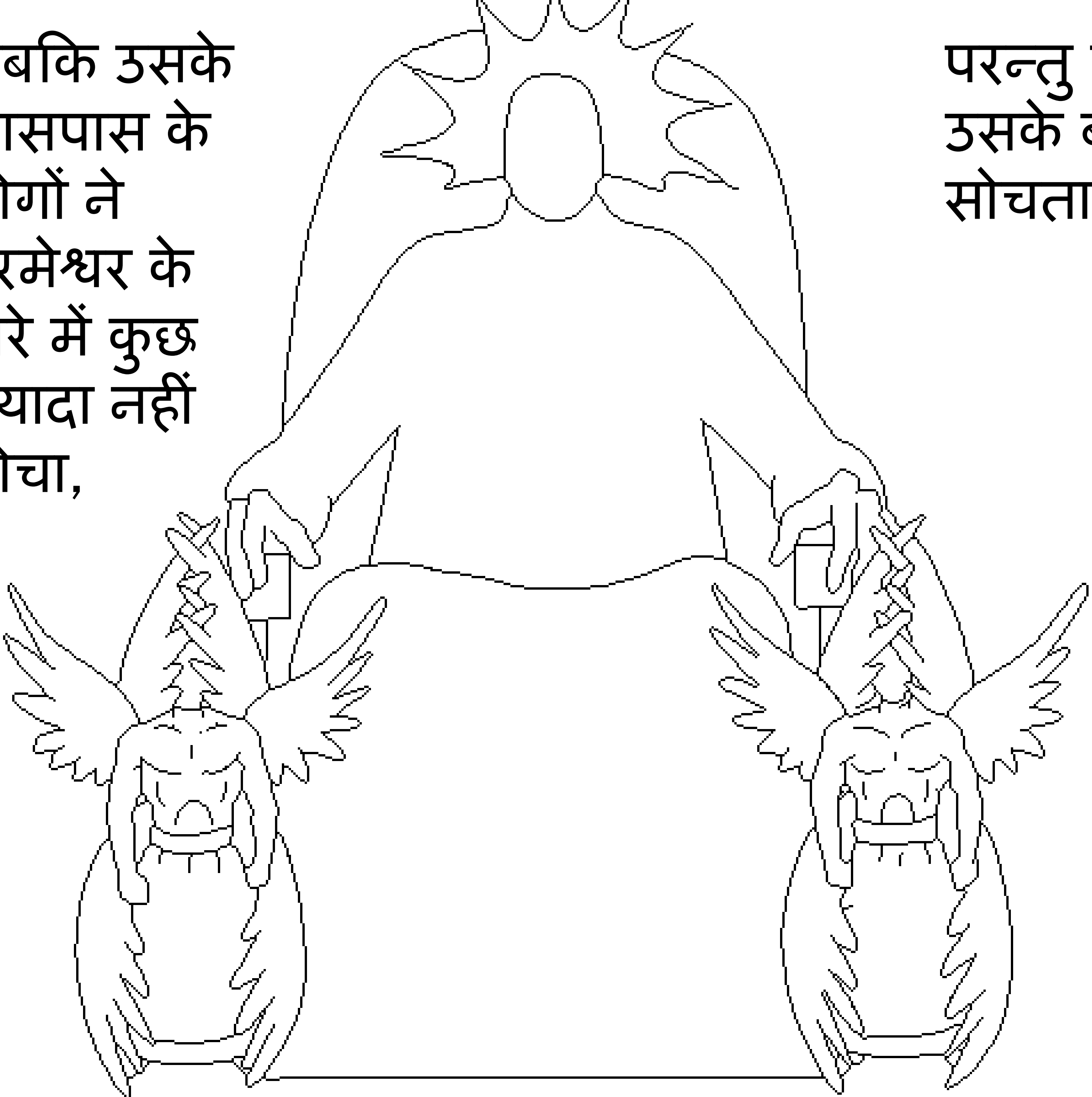

परन्तु यशायाह उसके बारे में बहुत सोचता था।

एक दिन, उसने
दर्शन देखा,
शायद वह
एक सपना
के सामान था
जो हम जागते
समय देख
रहे हों।

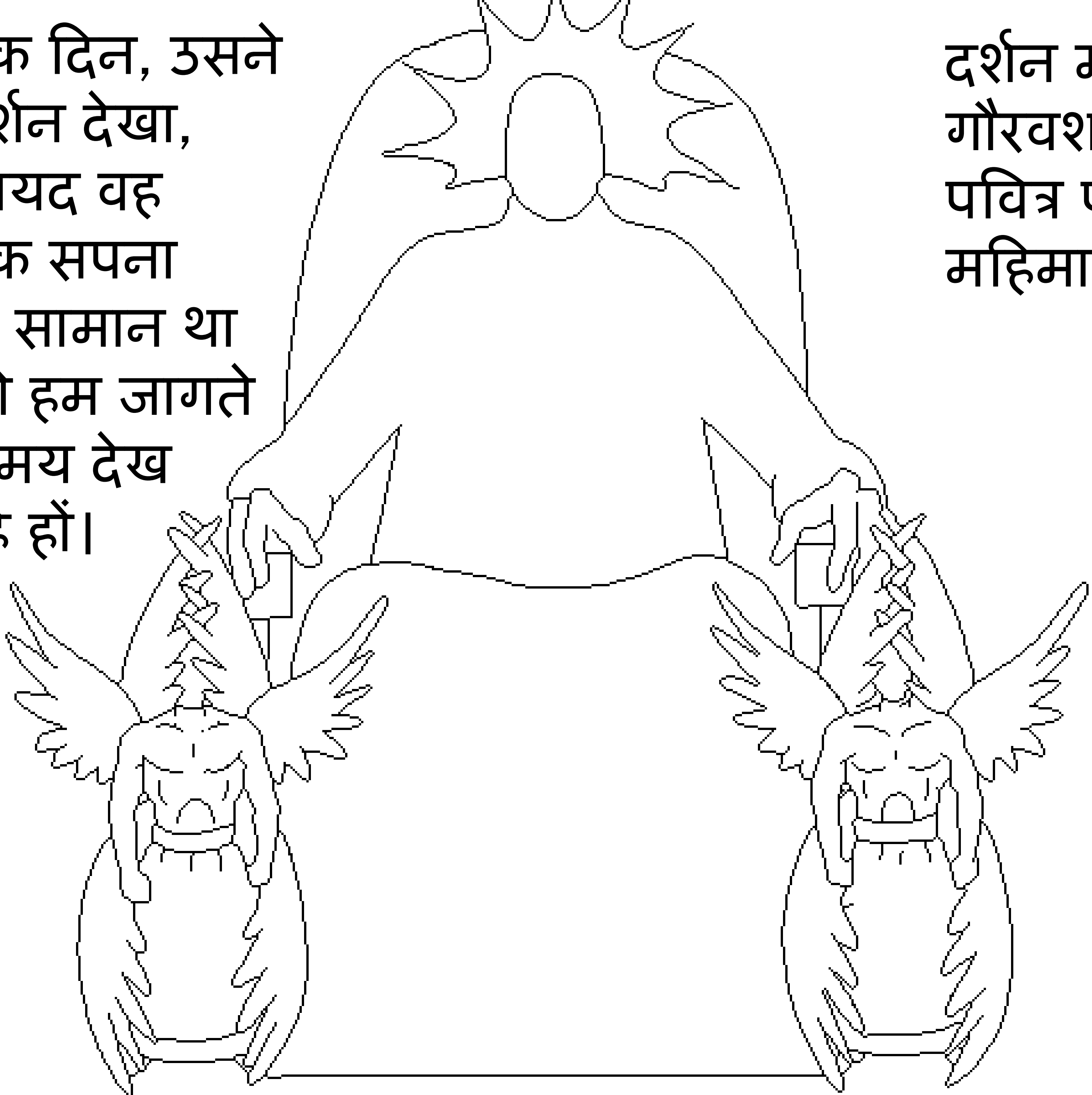

दर्शन में, यशायाह
गौरवशाली और
पवित्र परमेश्वर की
महिमा को देखा।

दर्शन में परमेश्वर ने पूछा "मैं किसको भेजूं?" यशायाह ने जवाब दिया, "मैं यहाँ हूँ, मुझे भेज" परमेश्वर जो कुछ भी चाहता और जहाँ कहीं भी भेजता, यशायाह करने के लिए तैयार था।

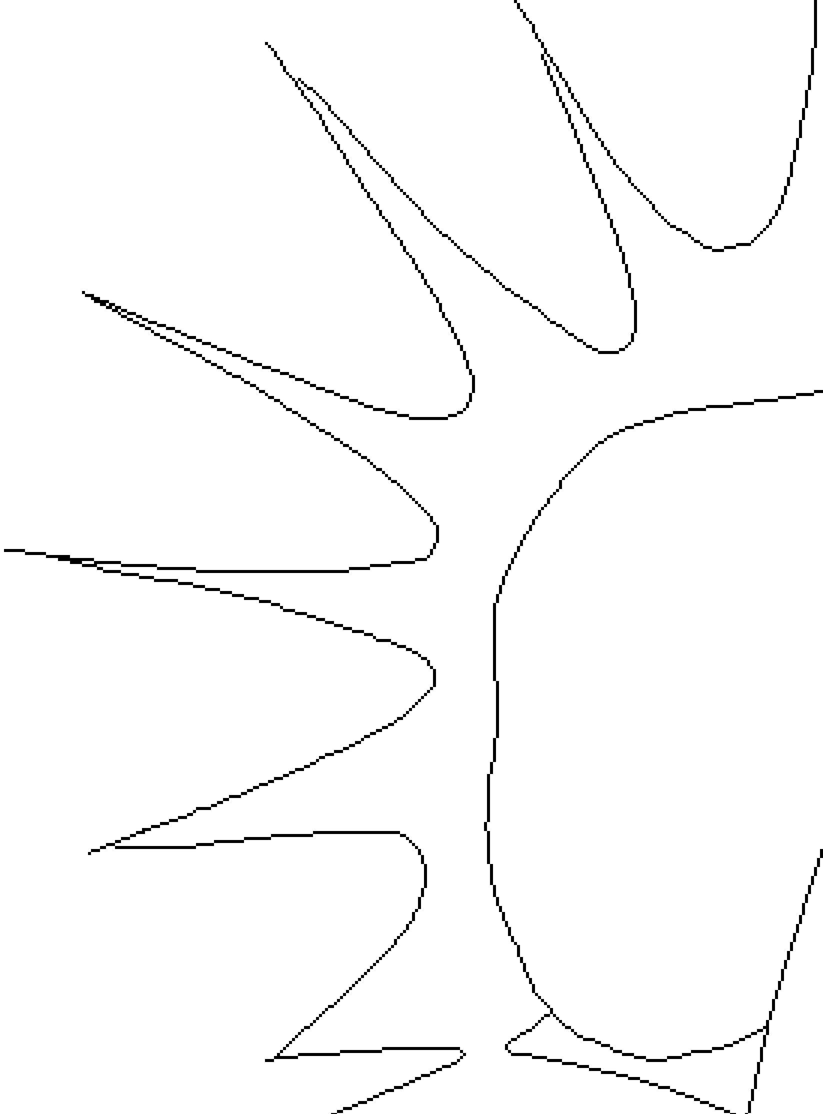

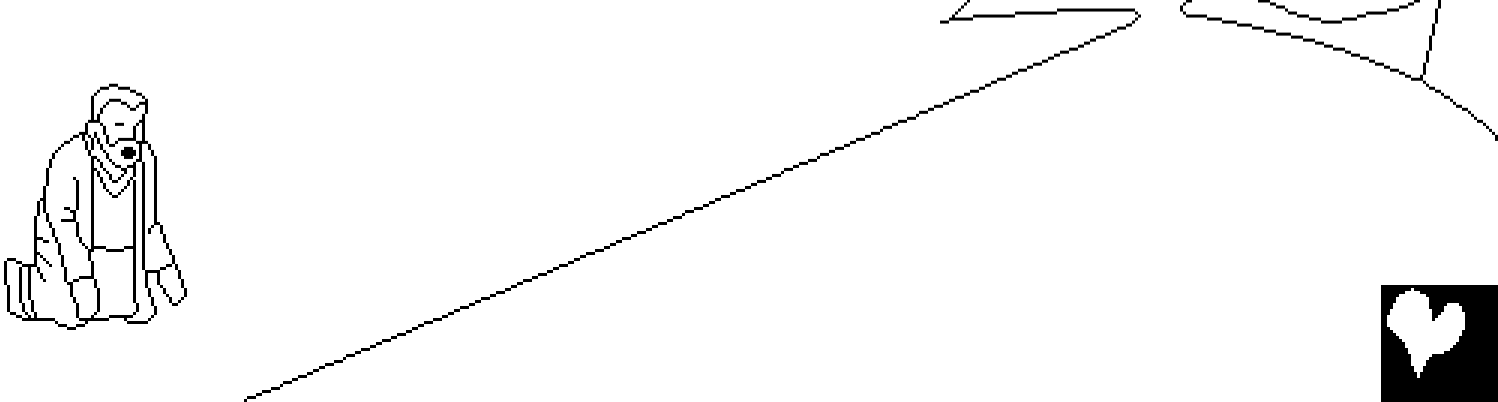

शायद यशायाह यह सोच रहा था कि परमेश्वर उसे दूर दूर के लोगों के पास भेजेगा जो उसके बारे में नहीं सुने हैं। लेकिन नहीं, परमेश्वर ने ऐसा नहीं किया।

परमेश्वर ने यशायाह को अपने ही देश में अपने ही लोगों से बातें करने को कहा। उसे यह बताना था कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन पर क्रोधित था।

अन्य बातें भी थीं जिन्हे यशायाह को अपने लोगों को बताना था - उस व्यक्ति के बारे में वे अद्भुत बातें, जो उन्हें पापों से और उनके सभी दुश्मनों से बचाने के लिए एक दृढ़ उद्धारकर्ता आएगा।

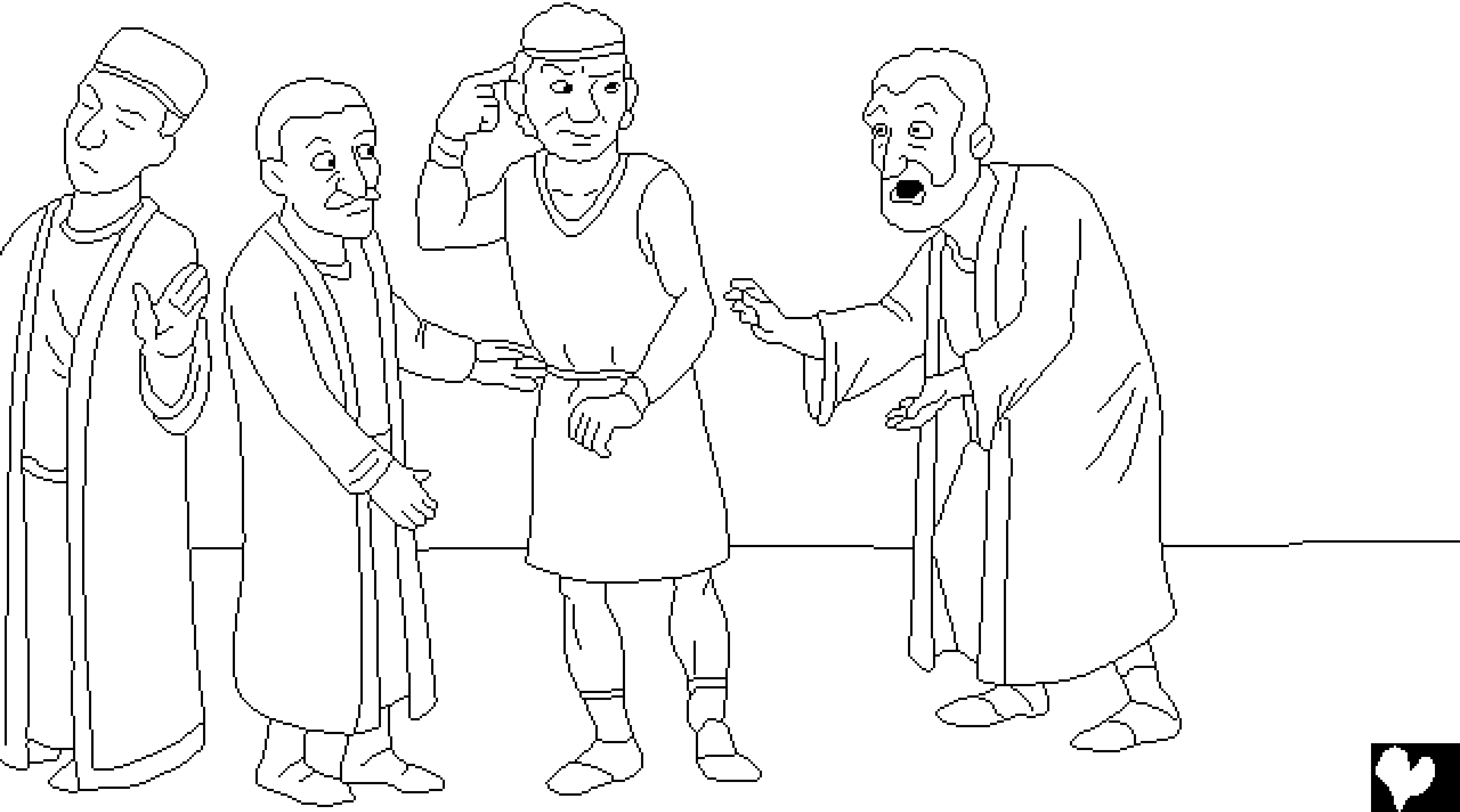

यहूदी लोग इस व्यक्ति को 'मसीहा' कहते थे। जबकि वे जानते थे कि परमेश्वर उनके लिए मसीहा भेजगा तौभी वे ऐसे जी रहे थे जैसे कि वह कभी आएगा ही नहीं।

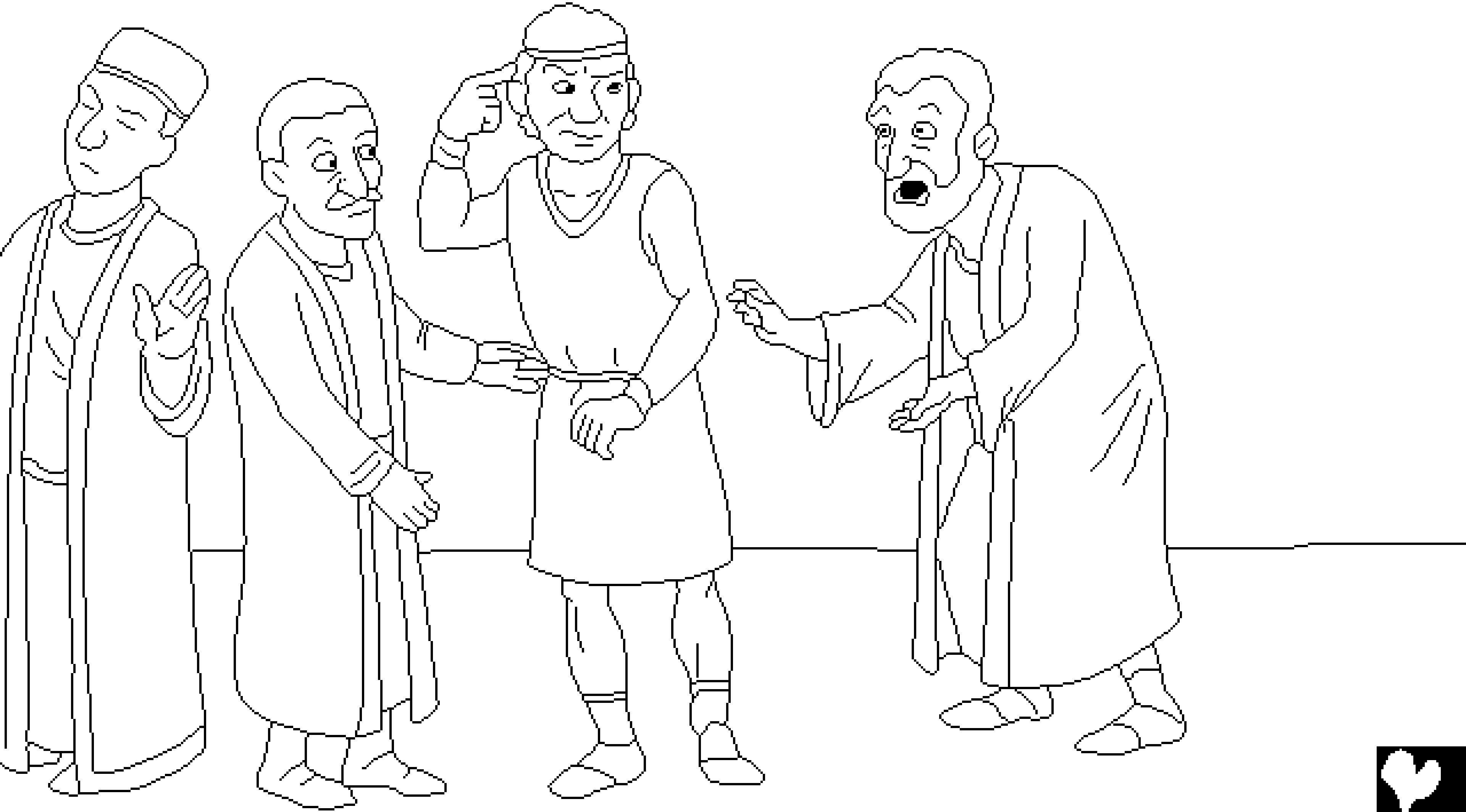

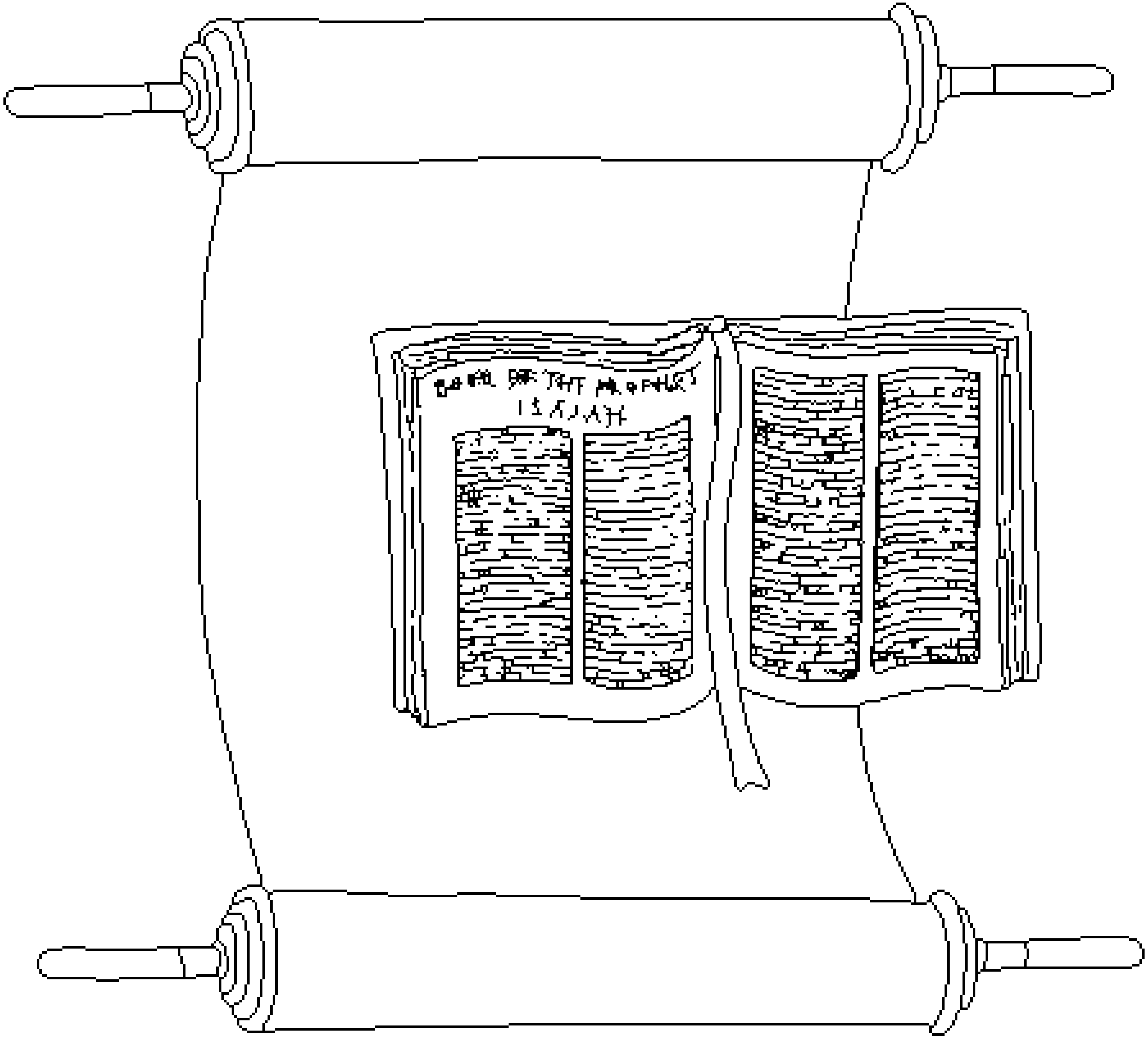

यशायाह ने
यीशु मसीह के
बारे में जो कुछ
कहा सब बातें उस
की पुस्तक में
लिखीं हैं। हालांकि
यशायाह ने जो
कुछ भी यीशु
मसीह के बारे में
सैकड़ों साल पहले
लिखा था, सब
कुछ सच होगा।

यशायाह ने कहा कि
परमेश्वर खुद ही
एक चिंन्ह देगा।

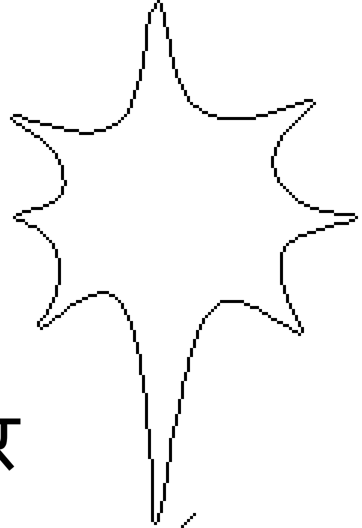

एक कुंवारी एक पुत्र जनेगी और
उसका नाम इम्मानुएल रखा
जायेगा।" लोग जानते थे कि
यशायाह परमेश्वर के
मसीह के बारे में बातें
कर रहा था;

क्योंकि उन्हें पता
था की एक कुंवारी
महिला को कुँवारी होते हुवे
बच्चा नहीं हो सकता है।
इम्मानुअल नाम का मतलब
परमेश्वर हमारे साथ है!

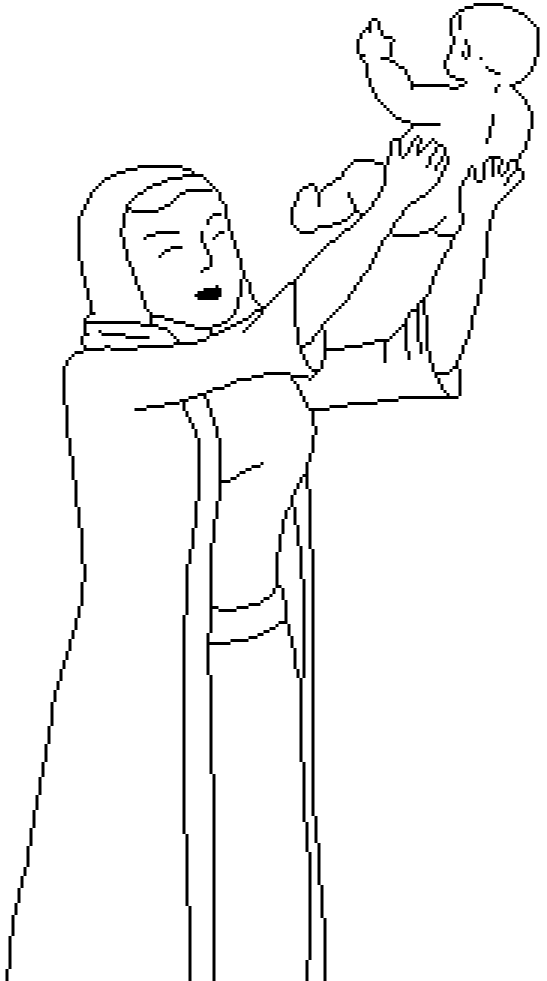

"क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुत्ता उसके कंधों पर होगी, उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनंतकाल का पिता, और शांति का राजकुमार रखा जायेगा।" यशायाह को यकीन था कि परमेश्वर के सारे वायदे सच हो जायेंगे; उसने ऐसे प्रस्तुत किया की जैसे घटना पहले से हो चुकि थी। इसी को भविष्यवाणी कहते हैं।

यशायाह ने बताया की मसीह महान होगा और बड़े बड़े काम करेगा। परमेश्वर ने यशायाह को यह भी बताया कि मसीह दुःख उठाएगा और मार दिया जायेगा। यशायाह आश्चर्य किया होगा कि मसीह कैसे महान, शक्तिशाली और उसी वक्त कमजोर और घायल भी होगा; यह कैसे हो सकता है। लेकिन यशायाह परमेश्वर के साथ बहस नहीं किया - वह सिर्फ परमेश्वर के कहने के अनुसार उसे दोहराया। परमेश्वर अपनी भविष्यवाणी को सच करेगा।

यीशु मसीह सिर्फ यहूदी लोगों के लिए नहीं आ रहा था। परमेश्वर ने यशायाह को बताया की मसीह "अन्यजातियों के लिए एक प्रकाश होगा।" दुनिया भर में अन्यजाति वे सभी लोग हैं, जो यहूदी नहीं हैं। परमेश्वर सबको प्यार करता है और उनका यह मसीहा सबका भला करेगा और पृथ्वी के छोर तक उद्धार को लाएगा।

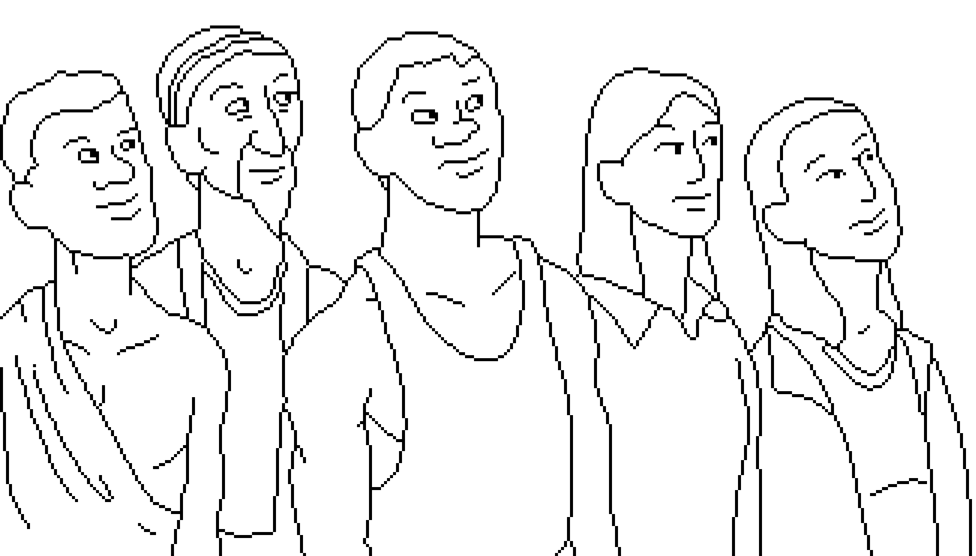

यशायाह, भविष्य देखनहारा

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यशायाह 1, 6, 7, 9, 53

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16